

उत्तराखण्ड शासन
वित्त अनुभाग-9
संख्या-668/27-9-2009/स्टाम्प/2008
देहरादून: दिनांक: 02 सितम्बर, 2009

अधिसूचना

राज्यपाल, साधारण खण्ड अधिनियम, 1897 (अधिनियम संख्या 10 सन् 1897) की धारा 21 के साथ पठित उत्तराखण्ड में अपनी प्रवृत्ति के सम्बन्ध में समय-समय पर यथा संशोधित भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (अधिनियम संख्या 2 सन् 1899) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके और इस निमित्त जारी की गई अधिसूचनाओं का आंशिक उपान्तर करके, इस अधिसूचना के गजट में प्रकाशन के दिनांक से भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (अधिनियम संख्या 2 सन् 1899) की अनुसूची 1-ख के अधीन निम्नलिखित वर्ग की लिखतों पर प्रभार्य शुल्क में छूट प्रदान करते हैं।

1- अनुच्छेद 5, करार या करार का ज्ञापन-

(ख-1) यदि वह किसी स्थावर सम्पत्ति के विक्रय से सम्बन्धित है जहाँ कब्जा का दिया जाना स्वीकार न किया गया हो और न ही हस्तान्तरण पत्र का निष्पादन किये बिना दे दिये जाने का करार किया गया हो धनराशि की उस सीमा तक जो इस करार में दी गयी प्रतिफल की धनराशि के आधे भाग की रकम पर प्रत्येक एक हजार रुपये अथवा उसके भाग पर चालीस रुपये की दर से आगणित शुल्क की धनराशि से अधिक हो,

2- अनुच्छेद 35, पट्टा, जिसके अन्तर्गत अवर-पट्टा या उप-पट्टा तथा पट्टे या उप-पट्टे पर देने के लिए कोई करार है -

(क) (i), (ii), (iii), (iv), (v), (ख)(i) और (ग) (i) धनराशि की उस सीमा तक जो भाटक, जुर्माना या प्रीमियम या अग्रिम धन की रकम या मूल्य जैसी स्थिति हो पर प्रत्येक एक हजार अथवा उसके भाग पर बीस रुपये की दर से आगणित शुल्क की धनराशि से अधिक हो।

/
(आलोक कुमार जैन)
प्रमुख सचिव

संख्या-668(1)/27-9-2009/स्टाम्प/2008 तददिनांक।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. समस्त प्रमुख सचिव/सचिव/उत्तराखण्ड शासन।
2. समस्त मण्डलायुक्त एवं जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
3. महानिरीक्षक, निबंधन, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. महालेखाकार, ओबराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून, उत्तराखण्ड।
5. उपनिदेशक, राजकीय प्रेस, रुड़की को इस आशय के साथ प्रेषित कि वे अधिसूचना को उसी दिनांक के असाधारण गजट के भाग 4 खण्ड(ब) में प्रकाशित कराते हुए उसकी 200 प्रतियां वित्त अनुभाग-9 में उपलब्ध करा दें।
6. न्याय/विधायी अनुभाग।
7. एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
21/9/2009
(एल0एम0 पन्त)
सचिव।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Notification No. 668 / Vitta Anubhag-9/Stamp-/2008, Dehradun, dated 02 August, 2009 for general information.
September,

Government of Uttarakhand
Finance Section-9
No. 668 /27-9-2009/Stamp-61/2008
Dehradun: Dated: 02 Sept, 2009

Notification

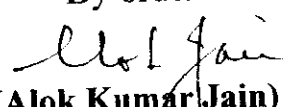
In exercise of the powers Conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (Act no. 2 of 1899) as amended from time to time in its application to Uttarakhand, read with section 21 of the General Clauses Act, 1897 (Act no. 10 of 1897), and in partial modification of notifications issued in this behalf the Governor is pleased to remit with effect from the date of Publication of this notification in the Gazette, the duty chargeable, on the following class of instruments under Schedule 1-B of the Indian Stamp Act, 1899 (Act no. 2 of 1899) :-

(1). Article 5, Agreement or memorandum of an agreement-

(b-1) If relating to the sale of an immovable property where possession is not admitted to have been delivered nor is agreed to be delivered without executing the conveyance, to the extent of the amount that exceeds the amount of duty calculated at the rate of Rs. Forty for every one thousand rupees or part thereof, on one half of the amount of consideration as set forth in the agreement :-

(2). Article 35. Lease, including an under-lease or sub-lease and any agreement to let or sublet-

(a) (i), (ii), (iii), (iv), (v), (b) (1) and (c) (1) to the extent of the amount that exceeds the amount of duty calculated at the rate of Rs. Twenty for every one thousand rupees or part thereof on the amount or value of the rent, fine or premium or advance, as the case may be, chargeable with duty.

By order

(Alok Kumar Jain)
Principal Secretary